PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Punjab Kesari, Delhi
Mon, 29 May 2017, Page 2
Width: 21.93 cms, Height: 18.97 cms, a3r, Ref: 40.2017-05-29.19

योग-स्वच्छता पर फोकस हैं मोदी

नई दिल्ली, (वार्ता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार के तीन साल के कामकाज का व्यापक स्तर पर आकलन का स्वागत करते हुए आज कहा कि योग, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को जन अभियान बनाया जाना चाहिए। सरकार बनने के 36 महीने में मोदी ने मन की बात 32वीं बार की है।

श्री मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र में शासन को जवाबदेह होना चाहिए और सकारात्मक आलोचनाएं इसे बल देती हैं। उन्होंने कहा कि पिछले महीने से जन-संचार माध्यमों अखबार, टीवी चैनलों और सोशल मीडिया में वर्तमान सरकार के तीन वर्ष का लेखा-जोखा चल रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं उन सब लोगों का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने समय निकाल करके हमारे काम की गहराई से विवेचना की है।

हर कसौटी पर तीन साल के कार्यकाल को कसा गया है। समाज के हर तबके के लोगों ने उसका आकलन किया है और लोकतंत्र में यह एक उत्तम प्रक्रिया है।' अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि तीन साल में संसार के हर कोने में योग पहुंच चुका है और दुनिया को जोड़ने में लगा है इसलिए 21 जून तक वह योग की महत्ता को लेकर प्रतिदिन ट्वीट करेंगे। योग के प्रचार-प्रसार को भारत की बड़ी उपलब्धि करार देते हुए उन्होंने कहा कि जब दुनिया में कुछ ताकतें बिखराव का अभियान छेड़े हुए हैं ऐसे में शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा को जोड़ने वाला योग अब दुनिया को भी जोड़ने लगा है और ऐसे समय में विश्व को भारत की यह एक बहुत बड़ी देन है। उन्होंने लोगों से तीसरे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अपनी तीन पीढ़ियों की एक साथ योग करते हुए फोटो भी ट्विटर पर पोस्ट करने को कहा।

श्री मोदी ने स्वच्छता को जन आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि कूड़े-कचरे को कबाड़ नहीं बल्कि संसाधन मानते हुए इसके प्रबंधन के नए तौर-तरीके विकसित किए जाने चाहिएं। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रमुख चार हजार शहरों में ठोस और गीले कचरे के लिए अलग-अलग डिब्बा रखने की योजना बनाई है। इसे अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पांच जून से लागू किया जाएगा। ठोस कचरे के लिए नीला तथा गीले कचरे के लिए हरा डिब्बा रखा जाएगा। उन्होंने उल्लेखनीय साफ-सफाई के लिए मुंबई के वर्सोवा तट और जम्मू कश्मीर के रियासी ब्लाक का जिक्र किया और कहा कि इन दोनों स्थानों ने जनता के सहयोग से स्वच्छता की मिसाल कायम की है।

आलोचना बल देती है : मोदी

पीएम मोदी ने अपनी सरकार के तीन साल पूरे होने पर हो रही प्रतिक्रियाओं का स्वागत करते हुए आज कहा कि लोकतंत्र में शासन को जवाबदेह होना चाहिए और सकारात्मक आलोचनाएं इसे बल देती हैं। श्री मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में राष्ट्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले महीने से जन संचार माध्यमों अखबार, टीवी चैनलों और सोशल मीडिया में वर्तमान सरकार के तीन वर्ष का लेखा-जोखा चल रहा है। उन्होंने कहा, "मेरा स्पष्ट मानना है कि लोकतंत्र में सरकारों को जवाबदेह होना चाहिए, जनता-जनार्दन को अपने काम का हिसाब देना चाहिए। मैं उन सब लोगों का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने समय निकाल करके हमारे काम की गहराई से विवेचना की है। कहीं सराहना हुई, कहीं समर्थन आया, कहीं कमियां निकाली गईं, मैं इन सब बातों का बहुत महत्व समझता हूं। मैं उन लोगों को भी धन्यवाद देता हूं जिन्होंने महत्वपूर्ण प्रतिक्रियाएं दी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि त्रुटि और कमी उजागर होने पर सुधार करने का अवसर मिलता है और उसी से सीखा तथा आगे बढ़ा जाता है।